Grand Welcome through "i-आरंभ 2025 (दीक्षारंभ 2025)" at ICFAI University, Raipur!!

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Ispat Bhoomi - 08 Aug 2025 - Page 3

पहल : नई शिक्षा नीति पर आधारित सत्र का हुआ आरंभ

दीक्षारंभ में नियमित शैक्षणिक भागीदारी की जरुरत पर बल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

दि आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, में ई-आरंभ 2025 (दीक्षारंभ2025) कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मुख्य अतिथियों के स्वागत सत्कार के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रबंधन, विज्ञान, विधि, इंजीनियरिंग, मानविकी एवं वाणिज्य संकायों के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी दी।

- दि आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, में ई-आरंभ 2025 की शुरुआत

छात्र अधिष्ठाता प्रो. डॉ. के. किशोर कुमार ने स्वागत भाषण में आई.सी.एफ.ए.आई. शिक्षा प्रणाली की विशिष्टताओं (यूएसपी), परीक्षा पद्धति एवं शैक्षणिक विरासत की विस्तृत जानकारी दी। कुलपति प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पारंपरिक शिक्षा प्रणाली के मध्य तुलनात्मक चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों में मूल्य प्रणाली के समावेश, स्व-विश्लेषण (स्वॉट एनालिसिस) तथा नियमित शैक्षणिक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति ने छात्रों से उत्तरदायित्व की समझ विकसित करने और समय प्रबंधन के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता डॉ. व्यास दुबे, अकादमिक सदस्य, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में विद्यार्थियों को विनम्रता, नैतिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित किया। समस्त विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विभागों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों तथा संभावनाओं पर प्रकाश डाला एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कुलसचिव प्रो. डॉ. मनीष उपाध्याय ने विश्वविद्यालय की तमाम बुनियादी सुविधाओं सहित, विश्वविद्यालय के छात्र सेवा प्रकोष्ठ, परीक्षा प्रकोष्ठ, सांस्कृतिक समिति तथा विभिन्न विश्वविद्यालय स्तरीय क्लबों की जानकारी दी। संचालन डॉ. जया सिंह (विभागाध्यक्ष, आर्टस) ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षगण, प्राध्यापकगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं नवप्रवेशित विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

विद्यार्थी जीवन ही उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला: डॉ. शिखा

जामगांव आर। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय, जामगांव आर में सत्र 2025-26 के लिए स्नातक स्तर पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शिखा अग्रवाल ने की। अतिथि जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेश केला एवं पूर्व अध्यक्ष व ग्राम जामगांव आर के सरपंच रूपेंद्र शुक्ला का स्वागत सीनियर विद्यार्थियों ने तिलक व पुष्पगुच्छ से किया। प्राचार्य डॉ. शिखा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन और चरित्र निर्माण की प्रेरणा देते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन ही उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेश केला ने शिक्षकों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों से ईमानदारी व तन्मयता से मेहनत करने का आह्वान किया। शासकीय कालेज के पूर्व अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत सरपंच रूपेंद्र शुक्ला ने शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और चरित्र निर्माण के महत्त्व पर बल दिया तथा छात्राओं की बढ़ती संख्या को समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा बताया। डॉ. अरुणेंद्र तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विषय संरचना, विकल्पों एवं सेमेस्टर प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। रा.से.यो. प्रभारी श्रीमती चेतना सोनी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सामाजिक महत्त्व व लाभों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। पुस्तकालय प्रभारी मुकेश कठोतिया ने पुस्तकालय की नियमावली और पुस्तकों के रख-रखाव के तौर-तरीकों को सरल भाषा में समझाया। सभी संकाय प्रमुखों ने अपने-अपने विषयों के महत्त्व और करियर की दृष्टि से उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

दि आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, दीक्षारंभ 2025 (ई-आरंभ 2025) कार्यक्रम का भव्य आयोजन

कुम्हारी (कुबेर भूमि)। दि आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, में 'ई-आरंभ 2025 (दीक्षारंभ2025)' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10ः30 बजे दीप प्रज्वलन एवं मुख्य अतिथियों के स्वागत सत्कार के साथ हुआ, कार्यक्रम में प्रबंधन, विज्ञान, विधि, इंजीनियरिंग, मानविकी एवं वाणिज्य संकायों के नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक एवं सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्र अधिष्ठाता प्रो. डॉ. के. किशोर कुमार के स्वागत भाषण से हुई, उन्होंने आई.सी.एफ.ए.आई. शिक्षा प्रणाली की विशिष्टताओं (यूएसपी), परीक्षा पद्धति एवं शैक्षणिक विरासत की विस्तृत जानकारी दी, विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं बौद्धिक वातावरण प्रदान किए जाने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडेय ने अपने विचार रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पारंपरिक शिक्षा प्रणाली के मध्य तुलनात्मक चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों में मूल्य प्रणाली के समावेश, स्व-विश्लेषण (स्वॉट एनालिसिस) तथा नियमित शैक्षणिक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति महोदय ने छात्रों से उत्तरदायित्व की समझ विकसित करने और समय प्रबंधन के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों में विनम्रता, नैतिकता और चरित्र निर्माण सहित आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा दी गई

कुम्हारी (अ.सं.)। दि आई.सी.एफए.आई. विश्वविद्यालय, में ई-आरंभ 2025 (दीक्षारंभ2025) कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10:30 बजे दीप प्रज्वलन एवं मुख्य अतिथियों के स्वागत सत्कार के साथ हुआ, कार्यक्रम में प्रबंधन, विज्ञान, विधि, इंजीनियरिंग, मानविकी एवं वाणिज्य संकायों के नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक एवं सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्र अधिष्ठाता प्रो. डॉ. के. किशोर कुमार के स्वागत भाषण से हुई, उन्होंने आई.सी.एफए.आई. शिक्षा प्रणाली की विशिष्टताओं (यूएसपी), परीक्षा पद्धति एवं शैक्षणिक विरासत की विस्तृत जानकारी दी, विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं बौद्धिक वातावरण प्रदान किए जाने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडेय ने अपने विचार रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पारंपरिक शिक्षा प्रणाली के मध्य तुलनात्मक चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों में मूल्य प्रणाली के समावेश, स्व-विश्लेषण (स्वॉट एनालिसिस) तथा नियमित शैक्षणिक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति महोदय ने छात्रों से उत्तरदायित्व की समझ विकसित करने और समय प्रबंधन के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता डॉ. व्यास दुबे, अकादमिक सदस्य, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में विद्यार्थियों को विनम्रता, नैतिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन से प्रेरक उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को एक आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्र विविधता एवं समावेशिता की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मुख्य विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला, विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन करने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा कक्षाओं में सतत उपस्थिति बनाए रखने की अपील की। इसके पश्चात समस्त विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विभागों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों तथा संभावनाओं पर प्रकाश डाला एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. डॉ. मनीष उपाध्याय ने उद्बोधन में विश्वविद्यालय की तमाम बुनियादी सुविधाओं सहित, विश्वविद्यालय के छात्र सेवा प्रकोष्ठ, परीक्षा प्रकोष्ठ, सांस्कृतिक समिति तथा विभिन्न विश्वविद्यालय स्तरीय क्लबों की जानकारी दी। अंत में उन्होंने सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शुभकामनाएँ दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जया सिंह (विभागाध्यक्ष, आर्टस) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षगण, प्राध्यापकगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं नवप्रवेशित विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

दि आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, दीक्षारंभ (ई-आरंभ) कार्यक्रम का भव्य आयोजन

कुम्हारी, 7 अगस्त (देशबन्धु)। दि आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, में च्ई-आरंभ 2025 (दीक्षारंभ2025)ज कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10़30 बजे दीप प्रज्वलन एवं मुख्य अतिथियों के स्वागत सत्कार के साथ हुआ, कार्यक्रम में प्रबंधन, विज्ञान, विधि, इंजीनियरिंग, मानविकी एवं वाणिज्य संकायों के नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक एवं सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्र अधिष्ठाता प्रो. डॉ. के. किशोर कुमार के स्वागत भाषण से हुई, उन्होंने आई.सी.एफ.ए.आई. शिक्षा प्रणाली की विशिष्टताओं (यूएसपी), परीक्षा पद्धति एवं शैक्षणिक विरासत की विस्तृत जानकारी दी, विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं बौद्धिक वातावरण प्रदान किए जाने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडेय ने अपने विचार रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पारंपरिक शिक्षा प्रणाली के मध्य तुलनात्मक चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों में मूल्य प्रणाली के समावेश, स्व-विश्लेषण (स्वॉट एनालिसिस) तथा नियमित शैक्षणिक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति महोदय ने छात्रों से उत्तरदायित्व की समझ विकसित करने और समय प्रबंधन के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता डॉ. व्यास दुबे, अकादमिक सदस्य, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में विद्यार्थियों को विनम्रता, नैतिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन से प्रेरक उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को एक आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्र विविधता एवं समावेशिता की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मुख्य विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला, विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन करने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा कक्षाओं में सतत उपस्थिति बनाए रखने की अपील की। इसके पश्चात समस्त विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विभागों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों तथा संभावनाओं पर प्रकाश डाला एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. डॉ. मनीष उपाध्याय ने उद्बोधन में विश्वविद्यालय की तमाम बुनियादी सुविधाओं सहित, विश्वविद्यालय के छात्र सेवा प्रकोष्ठ, परीक्षा प्रकोष्ठ, सांस्कृतिक समिति तथा विभिन्न विश्वविद्यालय स्तरीय क्लबों की जानकारी दी। अंत में उन्होंने सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शुभकामनाएँ दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जया सिंह (विभागाध्यक्ष, आर्टस) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षगण, प्राध्यापकगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं नवप्रवेशित विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।